विश्व न्याय मन्दिर

प्रत्येक समुदायसमूह में जब कार्य की एक निश्चित पद्धति स्थापित हो जाती है तो सहयोगियों के नेटवर्क की मदद से इसे और व्यापकता से बढ़ाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जबकि ठीक उस समय आबादी के छोटे–छोटे टुकड़ों पर ऊर्जा केन्द्रित की जानी चाहिए और उनमें से प्रत्येक को गहन गतिविधियों का केन्द्र बनना चाहिए।

–रिज़वान 2010

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 6 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जून 2019 बहाई वर्ष : 176

राष्ट्रीय अधिवेशन का संदेश

प्रिय विश्व न्याय मंदिर,

भारत के बहाइयों का राष्ट्रीय अधिवेशन (बी.ई.176) सलाहकार ली. ली. लोह लुथर की उपस्थिति में 26, 27 और 28 अप्रैल 2019 को आयोजित किया गया, जिसमें 61 प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों, सहायक मण्डल सदस्यों और पर्यवेक्षकों ने भाग लिया और सभी विश्व न्याय मंदिर को रिज़वान की हार्दिक बधाई भेजते हैं। अब्दुल बहा की समाधि का रिज़वान के बाग के निकट निर्माण किये जाने की ख़बर पाकर हार्दिक प्रसन्नता के भाव से हम भर गये।

सत्र के विधिवत आरम्भ होने के पहले के सत्र ने प्रतिनिधियों को उनकी जिम्मेदारियों के लिये तैयार किया।

अधिवेशन रिज़वान संदेश के पाठ से शुरू हुआ, जिसने प्रतिनिधियों को एक नई चेतना से भर दिया। इसके बाद राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के अध्यक्ष ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा अधिवेशन के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। सलाहकार लूथर के मार्गदर्शन में रिज़वान संदेश का अध्ययन किया गया। अध्ययन के दौरान कुछ प्रमुख विषय, जिन पर चर्चा की गई, थे बहाउल्लाह की दो सौंवी जयंती के दौरान प्राप्त सीखें, जिन्होंने तृणमूल स्तर पर बाब के जन्म की दो सौंवी शताब्दी की उत्साहवर्धक योजनायें बनाने के लिये प्रतिनिधियों को प्रेरित किया।

परिवारों के समूहों द्वारा शुरू की गई भक्तिपरक बैठकें शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं और इन्होंने बड़ी संख्या तक पहुँचने की हमारी क्षमता को बढ़ाया है। समुदायसमूहों की गति के तेज होने से सम्बन्धित अपने अनुभवों को साझा करते हुये प्रतिनिधियों ने इस आत्मविश्वास की झलक दिखलाई कि सघन विकास कार्यक्रम वाले 536 समुदायसमूहों के भारतीय बहाई समुदायों के लक्ष्य को प्राप्त करने



राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रतिनिधिगण सलाहकार के साथ

के लिये योजना के अंत तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि वापस अपने–अपने क्षेत्रों में जा कर वे अपने समुदायों को इस बात के लिये प्रेरित करेंगे कि बहाई धर्म के अग्रदूत बाब के जन्म के इस द्विशताब्दी वर्ष में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लें। यही अग्रदूत को

शेष पृष्ठ 3 पर

इस अंक में

मध्यप्रदेश में आयोजित संस्थान अभियान

• इंदौर में रूही पुस्तक एक और तीन के अध्ययन हेतु संस्थान अभियान का आयोजन किया गया। इसके लिए इन्दौर समुदाय की संस्थाओं ने विचार विमर्श किया और युवाओं से मिलने के लिए समुदाय की संस्थायें और कुछ स्थानीय मित्र नियमित रूप से कई परिवारों में गये जहां पर युवाओं के माता–पिता के साथ संस्थान अभियान के महत्व एवं समुदाय के प्रति युवाओं की भूमिका तथा सेवा जैसे विषयों पर खुलकर विचार–विमर्श किया।



इंदौर में आयोजित संस्थान अभियान के प्रतिभागी

मित्र कई टीमों में एकत्रित होकर लगभग 200 युवाओं से मिले जिनमें से 60 युवाओं ने रजिस्ट्रेशन किया। इस अभियान के दौरान 15 मित्रों ने पुस्तक–1 के अध्ययन की शुरूआत की जिसमें से 9 मित्रों ने पूरी पुस्तक का अध्ययन पूर्ण किया और दो युवा मित्रों द्वारा पुस्तक–3 का अध्ययन पूर्ण किया गया, जो अभी वर्तमान में बच्चों की बहाई बाल नैतिक कक्षाओं में अपना योगदान दे रहे हैं।

• भोपाल क्लस्टर के इन्द्रपुरी क्षेत्र में बच्चों की कक्षाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है, जिसमें कई बच्चे बड़े ही उत्साह के साथ भाग लेते हैं और अपने दैनिक जीवन में उपयोग किये जाने वाली आदतों को विकसित करने के साथ ही ईश्वर के प्रति निष्ठावान, तथा उसके द्वारा



भोपाल में आयोजित संस्थान अभियान के प्रतिभागी

शेष पृष्ठ 4 पर

पंचगणी में एसआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम

महाराष्ट्र में पंचगणी में 27 और 28 अप्रैल, 2019 को दो दिवसीय एसआरपी कार्यक्रम के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें नासिक क्लस्टर से 4, सांगली से 2 और पुणे से 4 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम का आरम्भ शाम को प्रार्थनाओं के साथ हुआ और बैठक के विषय को समझने में मदद करने के लिए संक्षिप्त में परिचय और इसके उद्देश्य की जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को सर्वोच्च संस्था के वर्तमान संदेश से अवगत कराने के लिए कार्यक्रम की शुरुआत विश्व न्याय मन्दिर के 18 जनवरी के संदेश से कुछ गद्यांशों के अध्ययन से हुई। संदेश का संपूर्ण रूप से अध्ययन नहीं किया गया केवल पहले 6 गद्यांशों का अध्ययन और चर्चा की गई।

प्रश्नोत्तर सत्र ने उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जो हमें वर्तमान परिदृश्य और सेवा में शामिल होने के क्षेत्र का बेहतर विश्लेषण करने में मदद करते हैं। मित्रों ने अपने क्षेत्रों में आनी वाली चुनौतियों के बारे में बात की और अपने अनुभवों को भी साझा किया। क्लस्टर विकास समिति की विकास पर समीक्षा, आंकड़े एकत्रित करना और स्थानीय आध्यात्मिक सभा का सहयोग आदि विषयों पर भी चर्चा हुई।

अगले दिन के सत्र में, परिषद द्वारा संकलित एक दस्तावेज को प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया, जिसका शीर्षक था– एरिया टीचिंग कमेटी और क्लस्टर एजेंसियां – विश्व न्याय मन्दिर और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केन्द्र 'से कुछ कालानुक्रमिक संदर्भ। समयसीमा के कारण, दस्तावेज़ को बैठक के दौरान नहीं पढ़ा गया, लेकिन सभी को पूरी समिति के साथ अपने क्लस्टरों में इसे पढ़ना शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इसके बाद 'सांख्यिकी अनुसंधान कार्यक्रम' शीर्षक वाला एक दस्तावेज पढ़ा गया, जिसने इस सांख्यिकीय रिपोर्ट कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी।

इस कार्यक्रम की शुरुआत 'एक साधन के रूप में की गई थी, जो विकास के लिए योजना बनाने और प्रत्येक क्लस्टर में विकास का सटीक आकलन प्राप्त करने के लिए क्लस्टर स्तर पर प्रभुधर्म के संस्थानों और एजेंसियों की सहायता के लिए बनाया गया है'। प्रतिभागियों को कुशलतापूर्वक इस उपकरण के उपयोग के निहितार्थ को समझने के लिए मार्गदर्शन किया गया। इसने क्लस्टर में एक कंप्यूटर पर इसकी स्थापना जैसे कुछ तकनीकी विवरणों को स्पष्ट किया और एक व्यक्ति को जानकारी एकत्र करने और दर्ज करने का कार्य करने की संभावना भी बताई।

आगे समझाते हुए बताया कि सांख्यिकीय अधिकारी निकटवर्ती क्लस्टरों के समूह में कार्य करेगा और इन क्लस्टरों में सेवारत क्षेत्र शिक्षण समिति, क्लस्टर संस्थान टीम और सहायक मण्डल सदस्यों के साथ निकटता से काम करेगा। इसमें न केवल संचार प्रणालियों पर आंकड़े एकत्र करना शामिल है, बल्कि अवलोकन करने और गतिविधियों में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से वहां मौजूद होना है तब एक गुणात्मक विश्लेषण का परिणाम प्राप्त होगा। आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद संस्थानों को प्रस्तुत करना भी उनकी सेवाओं का एक हिस्सा है और सीएलएआई जैसी बैठकों के दौरान बहुत आवश्यक है।



सांख्यिकी प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी

शेष पृष्ठ 3 पर

कर्नाटक में गैरसरकारी संगठनों के बीच बहाई

गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से बंगलूरू में शांति आश्रम के नाम से प्रसिद्व दलाई लामा उच्चतर शिक्षण संस्थान के प्रांगण में एक विचारगोष्ठी का आयोजन राज्य बहाई परिषद की ओर से किया गया, जिसमें बहाई धर्म का प्रतिनिधित्व राज्य बहाई परिषद के सचिव ने किया। परिषद के अन्य पदाधिकारी तथा विभिन्न क्लस्टरों से आये बहाई मित्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

शांति आश्रम की निदेशिका केजेविनो अरम ने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि बहाइयों से उनका परिचय पुराना है और वह इस बात की प्रशंसा करती हैं कि बहाई समुदाय समाज–सेवा का अच्छा काम कर रहा है, खासकर बच्चों और युवाओं के नैतिक और आध्यात्मिक विकास के क्षेत्र में।

संगोष्ठी में शामिल होने वाले एक अन्य संगठन अरिगाटू इन्टरनेशनल, जेनेवा की प्रतिनिधि सुश्री मारिआ लुसिया, निदेशिका ने कहा कि बच्चों को जो नैतिक शिक्षा बहाइयों द्वारा दी जा रही है उसकी प्रशंसा की जानी चाहिये, क्योंकि जब जड़ पुष्ट और पक्की होगी तब पौधा भी पुष्ट और पल्लवित–पुष्पित होगा, केवल उचित मार्गदर्शन के अभाव में होश सम्हालते ही बच्चे अक्सर गलत राह पकड़ लेते हैं और इस तरह पीढ़ी–दर पीढ़ी सही मार्गदर्शन नहीं प्राप्त कर पाते। मारिआ लुसिया ने कहा कि वह जेनेवा के बहाइयों से परिचित हैं और वह जानती है कि वहाँ का बहाई समुदाय बच्चों को नैतिक शिक्षा देने की दिशा में अच्छे काम कर रहा है।

अन्य गैर सरकारी तथा धार्मिक संगठनों की विचारोत्तेजक बातों ने जहाँ ऐसी ही गोष्ठियाँ आयोजित करने की प्रेरणा दी वहीं इस बात के लिये कृतज्ञता व्यक्त की कि आयोजन के प्रबन्धन पक्ष को सम्हालने वाले गैरसरकारी संगठनों ने संगोष्ठी को सफल बनाने में सहयोग किया।

अन्य वक्ताओं में थे मुम्बई विश्वविद्यालय के डा. वैद्या। बहाई वक्ता ने प्रभुधर्म की जानकारी देते हुए बतलाया कि राम, कृष्ण, ईसा, मोहम्मद की तरह ही बहाउल्लाह अवतरित हुये हैं मानवजाति को सत्य और धर्म की सच्ची राह बतलाने के लिये। वार्ता इतने रोचक ढंग से प्रस्तुत की गई कि वार्ता के समाप्त होते ही अनेक जिज्ञासु श्रोता की ओर से प्रश्न पूछे जाने लगे, जिनके समुचित उत्तर बहाई वक्ता द्वारा ही दिये गये। लोगों ने बहाई शैक्षणिक कार्यक्रम तथा सेवा के अन्य कार्यों के बारे में जानने की इच्छा व्यक्त की और उन्हें विस्तार से दुनिया भर में चलायी जा रही बहाई गतिविधियों की जानकारी दी गई।

इन गैरसरकारी और धार्मिक संस्थाओं के बीच कुछ पल रह कर बहाई वक्ता तथा राज्य परिषद के अन्य पदाधिकारियों ने यह महसूस किया कि समय–समय पर ऐसी संस्थाओं के साथ सम्वाद स्थापित करना बहुत जरूरी है।

राष्ट्रीय कार्यालय में सेवा का अवसर

उन मित्रों के आवेदन लिये जा रहे हैं जो राष्ट्रीय बहाई कार्यालय में अपनी सेवायें प्रदान करना चाहते हैं और निम्नलिखित स्थान को भरने के लिए संबद्ध योग्यता और अनुभव रखते हैं :

नियंत्रक (कंट्रोलर) विभाग सहायक

दायित्व

- राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, परिषदों सहित, कार्यालयों और एजेंसियों की बजट प्रक्रिया को देखना
- राष्ट्रीय सभा के सभी कार्यालयों, विभागों और एजेंसियों के साथ–साथ परिषदों के बजट की नियमित रूप से निगरानी करना।
- जब अनुरोध किया जाए तब राष्ट्रीय सभा के विभिन्न मामलों के लिए सलाहकार के रूप में कार्य करना और सलाह प्रदान करना
- आंतरिक और बाहरी लेखा परीक्षण प्रक्रिया की देखरेख करना
- वित्त मामलों में कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना
- वित्तीय प्रतिबद्धताओं की समीक्षा करना

आवश्यकता योग्यता

- व्यक्ति को स्नातक होना चाहिए और लेखा (अकाउटिंग) का ज्ञान होना चाहिए
- व्यक्ति अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में संवाद करने में समक्ष होना चाहिए
- व्यक्ति को कम्प्यूटर की बुनियादी जानकारी, एमएस ऑफिस और टैली सॉफ्टवेयर का भी ज्ञान होना चाहिए
- व्यक्ति हमेशा सीखने को तत्पर होना चाहिए
- व्यक्ति को इस क्षेत्र में कार्य का पहले से अनुभव है तो यह बहुत अच्छा होगा

इच्छुक व्यक्ति कार्मिक विभाग को personnel@ibnc.in पर लिखें और उसकी एक प्रति nsaindia@ibnc.in पर भी भेजें।

राष्ट्रीय अधिवेशन का संदेश

पृष्ठ 1 का शेष

दिया जाने वाला सर्वोत्तम उपहार होगा। यह संकल्प भी लिया गया कि शेष बचे 205 समुदायसमूहों की गति को तेज करने के लिये समर्पित पायनीयरों की संख्या बढ़ाई जायेगी। अधिवेशन प्रिय विश्व न्याय मंदिर को यह भी आश्वासन देता है कि अगले अधिवेशन में एक प्रतिनिधि मिज़ोरम से भी होंगे।

रिज़वान संदेश के अध्ययन ने उपस्थित मित्रों में भारी उत्साह और आनन्द भर दिया और वे स्पष्ट दृष्टि तथा उद्देश्य की सार्थकता की भावना के साथ पाँच वर्षीय योजना के शेष बचे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये कृतसंकल्प दिखे। यह सुखद माहौल और भी उल्लास और उत्साह से भर गया जब सलाहकार लूथर ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों से मित्रों के समर्पण और साहस के साथ दृढ़ता की कथायें सुनायी। "लाइट ऑफ द वर्ल्ड" और "ए वाइडेनिंग इम्ब्रेस" – इन दो फिल्मों के अंशों ने भी लोगों को वह दृष्टि प्रदान की कि वे मित्रों के साथ अर्थपूर्ण वार्तालाप किस प्रकार शुरू करें।

बिहार शरीफ समुदायसमूह में पहले स्थानीय उपासना मंदिर के निर्माण की दिशा में अब तक की प्रगति की जानकारी पा कर और यह जानकर कि लगभग सात एकड़ जमीन इस उद्देश्य से प्राप्त कर ली गई है मित्रों को प्रसन्नता हुई।

कोष के मामले में आत्मनिर्भरता और दान देने में सब की प्रतिभागिता पर भी परामर्श किया गया। रिज़वान संदेश से प्रेरित हो कर प्रिय मास्टर अब्दुल बहा कि समाधि के निर्माण के लिये स्वैच्छिक दानराशि भी प्राप्त की गई।

बहाई उपासना मंदिर में दिव्य मार्गदर्शन के लिये प्रार्थनाओं के बाद भारत के बहाइयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा का चुनाव एक पवित्र वातावरण में किया गया। राष्ट्रीय आध्यात्मिक सेवा के सदस्य के रूप में सेवा देने के लिये निम्नांकित मित्र वर्ष 2019–2020 के लिये चुने गये :

1. डा. ए. के. मर्चेंट
2. सुश्री नाज़नीन रौहानी
3. डा. नेसान ओल्यिाई
4. श्री लतीफ रशीद
5. श्री पी. के. प्रेमाराजन
6. श्रीमती जीना सोराबजी
7. डा. मंगेश तेली
8. डा. आर. एस. यादव
9. डा. मयूरी मोहाजर

अधिकांश उपस्थित प्रतिनिधिगण सर्वोच्च संस्था से याचना करते हैं कि वे उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिये पवित्र समाधियों पर प्रार्थना करें, जो प्रेम और एकता की भावना के उद्देश्य से भारत में महानतम नाम के समुदाय द्वारा निर्धारित किये गये हैं।

पंचगणी में एसआरपी प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ 2 का शेष

दस्तावेज़ में यह भी कहा गया है – 'रिपोर्ट बताती है कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्लस्टर एजेंसियों के काम का समर्थन करना है और राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं और क्षेत्रीय बहाई परिषदों को यह विश्लेषण करने में मदद देता है कि विकास प्रक्रिया उन क्षेत्रों में कैसे सामने आ रही है जहां वे सेवा देते हैं।' उस प्रणाली पर जिसमें हम क्लस्टर स्तर पर जानकारी एकत्र करते हैं और प्रवाह करते हैं और बड़े पैमाने पर विकास का विश्लेषण करने के लिए प्रभुधर्म के उच्च संस्थानों के लिए हमारी समय पर प्रतिक्रिया कैसे फायदेमंद साबित होगी।

इसके अलावा, सभा में उपलब्ध लैपटॉप में सांख्यिकीय रिपोर्ट प्रोग्राम स्थापित किया गया और क्लस्टर आंकड़ों की फाइलें प्रदान की गईं केवल यह देखने के लिए कि वर्तमान में कितना अद्यतन होना आवश्यक है।

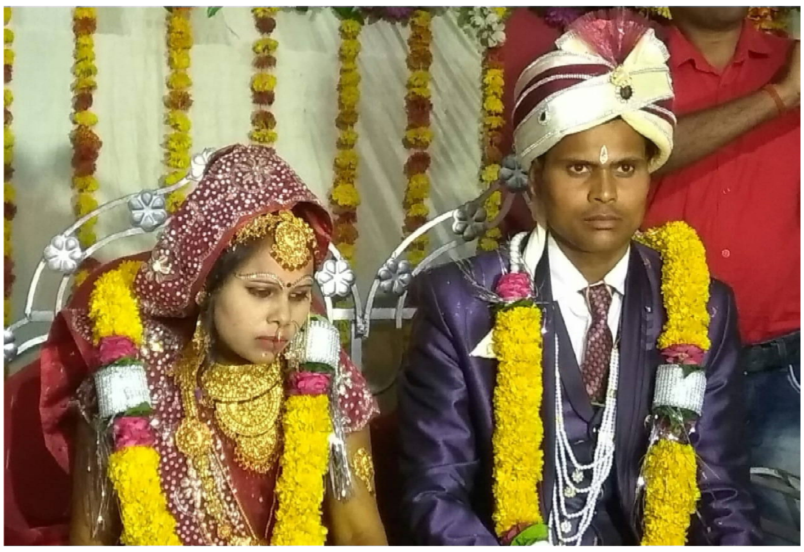
आंकड़ों को कैसे दर्ज किया जाता है, इसकी तकनीक पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है, जो विभिन्न विवरण जोड़े जा सकते हैं, जो रिपोर्टें उत्पन्न कर सकते हैं, वे सभी प्रदर्शित किए गए।

बैठक के अंत में, प्रतिभागियों से कहा गया कि वे अपने सीखने के संबंध में अपने समूहों के लिए एक योजना बनाएं और कैसे वे न केवल अपनी वापसी पर अपने क्लस्टरों में सेवारत संस्थानों के साथ इसे साझा करेंगे, बल्कि अद्यतन और रखरखाव पर व्यवस्थित रूप से काम करेंगे।

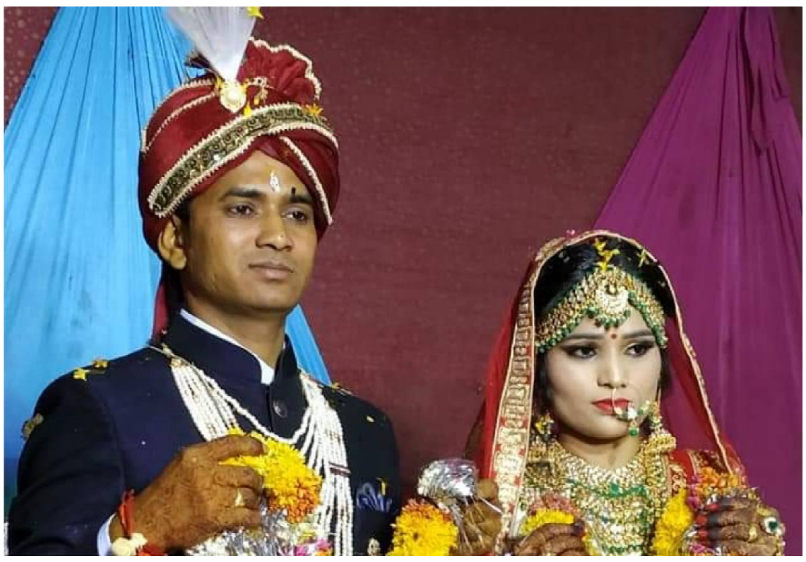
बहाई विवाह



मध्यप्रदेश, सुसेरा क्लस्टर के ग्राम कनकटपुरा के श्री रामभरोसी कुशवाहा के सुपुत्र श्री रामसेवक सिंह का विवाह मुरैना क्लस्टर के ग्राम लोंगट निवासी स्व. श्री नंदलाल कुशवाह की सुपुत्री कुमारी वैवी के साथ 7 मई, 2019 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा कनकटपुरा के सहयोग से बहाई विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कई बहाई मित्रों के अलावा दोनों पक्षों के परिजन व रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



मध्यप्रदेश के सुसेरा क्लस्टर के ग्राम कनकटपुरा के श्री बनवारी लाल कुशवाहा के सुपुत्र श्री हेमन्त सिंह का विवाह मेहगांव क्लस्टर के ग्राम वीरमपुरा निवासी श्री धारा सिंह की सुपुत्री कुमारी विद्यावती के साथ 6 मई, 2019 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा कनकटपुरा के सहयोग से बहाई विधि विधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कई बहाई मित्रों के अलावा दोनों पक्षों के परिजन व रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



मध्य प्रदेश के वकीलपुरा, सुसेरा के श्री सत्येन्द्र नरवरिया और ग्वालियर निवासी सुश्री नीलिमा राज का विवाह 6 मई, 2019 को बहाई विधि विधान के अनुसार स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा ग्वालियर के तत्वावधान व मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

मार्च 2019 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	128	463	39	285	21	173	0	0	188	921
असम+	155	460	62	610	14	143	5	29	236	1,242
बिहार	2,894	25,592	559	5,529	361	3,427	132	1,065	3,946	35,613
छत्तीसगढ़	523	2,604	62	614	47	460	17	97	649	3,775
गुजरात	405	2,490	95	1,079	60	545	34	214	594	4,328
झारखण्ड	945	8,205	189	1,499	136	907	73	501	1,343	11,112
कर्नाटक	64	256	22	214	15	142	9	27	110	639
केरल	211	940	34	268	8	41	21	135	274	1,384
मध्य प्रदेश	356	2,518	56	680	38	367	21	149	471	3,714
महाराष्ट्र+	5,646	26,564	567	6,721	444	4,765	155	1,035	6,812	39,085
मणिपुर+	292	840	35	299	19	132	9	39	355	1,310
ओडिशा	775	3,423	95	798	64	467	18	93	952	4,781
पंजाब+	256	1,782	128	1,076	126	1,098	14	65	524	4,021
राजस्थान	76	367	49	327	12	91	7	30	144	815
सिक्किम+	212	937	39	328	25	169	0	0	276	1,434
तमिलनाडु+	2,819	11,465	146	1,232	126	932	151	636	3,242	14,265
त्रिपुरा	254	1,641	84	729	35	243	40	142	413	2,755
उत्तर प्रदेश+	10,335	88,174	1,796	15,217	1,332	10,438	378	2,917	13,841	116,746
पश्चिम बंगाल	3,235	17,687	554	4,772	474	3,820	279	1,864	4,542	28,143
कुल	29,581	196,408	4,611	42,277	3,357	28,360	1,363	9,038	38,912	276,083

मध्यप्रदेश में आयोजित संस्थान अभियान

पृष्ठ 1 का शेष

दिये गये आध्यात्मिक गुणों को धारण करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह बच्चों की कक्षा स्थानीय स्तर पर माता–पिता को बहुत प्रभावित करती है जिससे इन कक्षाओं को संचालित करने में उनका पूरा सहयोग प्राप्त किया जाता है।

• भोपाल क्लस्टर के ही बागसेवनिया क्षेत्र में तीन दिवसीय संस्थान अभियान किया गया, जिसमें 26 प्रतिभागियो द्वारा स्थानीय स्तर पर रूही पुस्तकों का अध्ययन किया जा रहा है।

• चकगांव जो सुसेरा क्लस्टर के अंतर्गत आता है, जहां पर पिछले कई वर्षों से संस्थान की गतिविधियों को नियमित बनाये रखने के प्रयास किये जाते रहे हैं परन्तु स्थानीय मानव संसाधनों के विकसित न हो पाने से यहां की युवा पीढ़ी धीरे–धीरे समुदाय के आध्यात्मिक वातावरण को बदलने में अपना योगदान देने हेतु आगे आ रहे हैं जिसमें अधिकतर संख्या में लड़कियाँ शामिल हैं।

यहां एक अध्ययनवृत्त कक्षा का नियमित रूप से अध्ययन जारी है जिसमें उसी गांव के स्थानीय युवा मित्र भाग ले रहे हैं और संस्थान पाठ्यक्रम की पुस्तक–3 ''बच्चों के लिये कक्षाओं का आयोजन'' का अध्ययन कर रहे हैं जिसमें 9 प्रतिभागी साथ मिलकर अपने गांव के बच्चों को आध्यात्मिक शिक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें सहशिक्षक के रूप में श्रीमती जानकी कुशवाह अपना योगदान दे रही हैं।

● निधन

श्री राहुल कुमार



हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि पटना सिटी, बिहार के युवा श्री राहुल कुमार का निधन असमय एक दुर्घटना में 13 मई, 2019 को हो गया। श्री राहुल अपने क्षेत्र के बहुत ही उत्साही और कर्मठ बहाई थे और वे अनेक क्षेत्रों में प्रभुधर्म के लिए अपनी सेवायें दे रहे थे। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.6. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)